A–610

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–609

संहिता स्कन्ध–02

MA JYOTISH (MAJY)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तु शास्त्र का परिचय प्रदान करते हुए समाज में वास्तुशास्त्र के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

2. ग्रहण के बारे में विस्तार से लिखिए।

3. वास्तुपद विन्यास के विभन्न भेदों के नाम लिखते हुए परमशायिक (एकाशीतिपदवास्तु) पद वास्तु को सचित्र समझाइए।

4. भूमिचयन की पूर्ण प्रक्रिया वास्तु शास्त्र के अनुसार बताइये।

5. बुहत्संहिता ग्रन्थ के अनुसार अगस्त्यचाराध्याय का सार अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सप्तर्षिचाराध्याय का सरांश लिखिए।

2. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक एवं प्रमुख आचार्य तथा उनकी कृतियों के बारे में संक्षेप में लिखिए।

3. वास्तुपुरुष का परिचय लिखिए।

4. गृह के समीप शुभाशुभ वृक्षों का विवेचन कीजिए।

5. गृहप्रवेशमुहूर्त के बारे में लिखिए।

6. द्वादश राशियों में होने वाले ग्रहण के फलों को लिखिए।

7. भूमिशोधन (भूपरीक्षण) की विभिान्न विधियों के बारे में लिखए।

8. ज्योतिष शास्त्र के संहिता स्कन्ध का परिचय एवं महत्व को संक्षेप में लिखिए।

****